

4-3-22

पगारवाली पुरुष द्वारा कर्मस्थल जागी व स्वतंत्र जागी उप
 नहीं ही कर्मस्थल जागी व स्वतंत्र जागी को भी का
 आकाश लगाया गया बावजूद पूजा के फायदा
 के उप नहीं ही कर जागी का जागी पत्र
 कडक धरती कडक पैरों के जोड़के किया गया
 से पगारवाली मंदिर आगत मेफल बाद तामील वक्रील
 के दाखिल दफ्त ही

Handwritten signature or initials.

[Faint, mostly illegible text in Hindi, possibly bleed-through from the reverse side of the page.]

